माफियाराज बुढ़नेर नदी कभी वनांचल और ग्रामीण अंचलों की जीवनरेखा मानी जाती थी, अब प्राकृतिक जल प्रवाह हो रहा बाधित

नदी के सीने पर बने लंबे रैंप, पर्यावरण व सरकारी राजस्व पर हमला

डिंडोरी, नवभारत 21 मई। बैगा बाहुल्य ग्राम चाड़ा के घने जंगलों से निकलकर मंडला जिले में पवित्र नर्मदा नदी में समाहित होने वाली बुढ़नेर नदी इन दिनों अवैध रेत उत्खनन की वजह से गंभीर संकट का सामना कर रही है।

दिवारी और कमको मोहनिया क्षेत्र में पिछले पांच से छह वर्षों से नदी के बीचों-बीच मुरूम, पत्थर और बोल्डर डालकर बनाए जा रहे लंबे-लंबे रैंप अब पूरे इलाके में चर्चा और चिंता का विषय बन चुके हैं। करीब 55 से 56 किलोमीटर की यात्रा करने वाली यह नदी कभी वनांचल और ग्रामीण अंचलों की जीवनरेखा मानी जाती थी, लेकिन अब इसके कई हिस्सों में प्राकृतिक स्वरूप तेजी से बदलता दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रेत उत्खनन के नाम पर भारी मशीनों को नदी के भीतर तक पहुंचाने के लिए स्थायी जैसे रास्ते तैयार किए गए हैं। नदी की धारा के बीच बने ये रैंप न केवल प्राकृतिक जल प्रवाह को बाधित कर रहे हैं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं।

इसे अवैध निर्माण माना जा सकता है : विशेषज्ञ

विशेषज्ञ यह भी बताते हैं कि यदि कोई रैंप स्वीकृत खनन योजना, पर्यावरणीय स्वीकृति या निर्धारित मानकों का हिस्सा नहीं है, तो उसे अवैध निर्माण माना जा सकता है। यही नहीं, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) और सुप्रीम कोर्ट समय-समय पर नदीय रेत खनन को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी करते रहे हैं, जिनमें नदी की प्राकृतिक धारा और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया है।

नदी के भीतर 'सड़क' बनाकर उत्खनन

ग्रामीणों के अनुसार रात-दिन चलने वाली मशीनों और भारी वाहनों की आवाजाही ने नदी की शांति और पारिस्थितिकी दोनों को तहस-नहस कर दिया है। नदी के भीतर तक बनाए गए रैंपों में बड़े पैमाने पर मुरूम और बोल्डर डाले गए हैं, जिससे कई स्थानों पर जलधारा का मार्ग प्रभावित हुआ है। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि नदी के बीच इस प्रकार के निर्माण बरसात के समय बाढ़, कटाव और जलभराव जैसी स्थितियां पैदा कर सकते हैं।

जलीय जीवन लगभग समाप्त

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जिन क्षेत्रों में कभी मछलियां और अन्य जलीय जीव बड़ी संख्या में पाए जाते थे, वहां अब उनका अस्तित्व लगभग समाप्त हो चुका है। लगातार खुदाई, मशीनों का कंपन और नदी तल से अत्यधिक रेत निकासी ने जलीय जैव विविधता को गहरी चोट पहुंचाई है। पर्यावरणविद इसे आने वाले समय के लिए गंभीर चेतावनी मान रहे हैं।

शासन को करोड़ों का नुकसान

अवैध खनन का असर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। जानकारों के मुताबिक निर्धारित नियमों की नजरअंदाजगी के चलते हो रहे उत्खनन से राज्य सरकार को हर वर्ष लाखों-करोड़ों रुपये के राजस्व की क्षति हो रही है। यदि खनन नियमों के तहत और पारदर्शी तरीके से हो, तो शासन को बड़ा राजस्व प्राप्त हो सकता है, लेकिन अवैध कारोबार सरकारी खजाने पर सीधी चोट कर रहा है।

प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि नदी के बीचों-बीच इतने बड़े पैमाने पर लंबे रैंप आखिर किसकी निगरानी में बनाए गए? स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना प्रशासनिक जानकारी और संरक्षण के इतने बड़े स्तर पर अवैध उत्खनन संभव नहीं माना जा सकता। यही कारण है कि अब स्थानीय प्रशासन, खनिज विभाग और संबंधित जिम्मेदार एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।

खनिज अधिकारी ने फोन रिसीव नहीं किया

इस संबंध में हमने एक बार पुन: खनिज अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया, जबकि अखबारी सुर्खियों सहित मौके की तमाम वस्तुस्थिति से उनको लगातार अवगत कराया जा रहा है।

पहले पानी की व्यवस्था करो, फिर रास्ता खुलेगा

पेयजल संकट से नाराज ग्रामीणों ने किया चकाजाम, शिक्षकों को गांव में रोका

शहपुरा नवभारत 21 मई। शहपुरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चंदवाही में भीषण पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। पानी की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने गांव के अंदर सड़क जाम कर शिक्षा विभाग के शिक्षकों के वाहनों को रोक दिया। घटना के बाद गांव में कुछ समय तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

जानकारी के अनुसार शासन की 'जल गंगा संवर्धन' योजना के अंतर्गत ग्राम चंदवाही में वृक्षारोपण के लिए गड्ढे खोदे गए हैं। इन्हीं कार्यों के निरीक्षण एवं सर्वे के लिए शिक्षा विभाग के शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई थी। शिक्षक गांव पहुंचकर प्लांटेशन स्थल का निरीक्षण कर वापस लौट रहे थे, तभी ग्रामीणों ने उन्हें रोक लिया। ग्रामीणों का कहना था कि गांव में लंबे समय से पेयजल संकट बना हुआ है।

भीषण गर्मी में लोग पानी के लिए भटकने मजबूर

भीषण गर्मी के बीच लोग पानी के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक स्थायी समाधान नहीं कर पाया। नाराज़ ग्रामीणों ने गांव के भीतर सड़क पर पत्थर और बर्तन रखकर चक्काजाम कर दिया और कहा कि जब तक गांव में पानी की व्यवस्था नहीं होगी, तब तक रास्ता नहीं खोला जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। ऐसे में मजबूर होकर उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा।

बड़े आंदोलन की दी चेतावनी

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग एवं पीएचई विभाग को जानकारी दी गई। मौके पर पहुंचे पीएचई विभाग के एसडीओ गगन कुम्हरे ने ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाइश दी तथा जल्द पेयजल व्यवस्था सुधारने का आश्वासन दिया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीण शांत हुए और चक्का जाम समाप्त किया गया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द गांव की पेयजल समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

वृद्धा पेंशन के लिए भटक रहे हितग्राही

कस्तूरी पिपरिया पंचायत सचिव की लापरवाही से बुजुर्ग परेशान

शहपुरा नवभारत 21 मई। शहपुरा जनपद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कस्तूरी पिपरिया में पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक की कथित लापरवाही के कारण बुजुर्गों को वृद्धा पेंशन योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। पेंशन बंद होने से कई वृद्धजन परेशान होकर पंचायत और बैंक के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में सचिव अक्सर अनुपस्थित रहते हैं, जिससे लोगों की समस्याओं का समय पर निराकरण नहीं हो पा रहा। वहीं जब इस संबंध में पंचायत सचिव और रोजगार सहायक से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो फोन रिसीव नहीं किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत कार्यालय पहुंचने पर भी कई बार सचिव नदारत रहते हैं।

पंचायत कार्यालय के चक्कर काट रहे वृद्ध

गांव के एक बुजुर्ग दंपत्ति ने बताया कि उनके परिवार में केवल पति-पत्नी ही रहते हैं और वृद्धा पेंशन ही उनका मुख्य सहारा है। उन्होंने कई बार पंचायत सचिव को अपनी समस्या बताई, लेकिन हर बार उन्हें 'पैसा आ जाएगा' कहकर टाल दिया गया। इसके बावजूद आज तक उनके खाते में पेंशन राशि नहीं पहुंची। भीषण गर्मी के बीच बुजुर्ग पेंशन की उम्मीद में बैंक और पंचायत कार्यालय के चक्कर काटते नजर आ रहे हैं।

आधुनिक तकनीक व कंप्यूटर क्रांति के जनक थे राजीव गांधी

पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर बोला हमला

अमरपुर नवभारत 21 मई। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमरपुर द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा उस वक्त राजनीतिक रणभूमि में बदल गई। जब कांग्रेस ने भाजपा सरकार की नीतियों, बेरोजगारी, पेपर लीक और युवाओं की आवाज दबाने के मुद्दे पर कांग्रेसी नेताओं ने खुलकर हमला बोला। नेताओं के तीखे तेवर और आक्रामक भाषणों ने माहौल पूरी तरह गरमा दिया।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र ठाकुर ने राजीव गांधी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने देश को आधुनिक तकनीक, कंप्यूटर क्रांति और युवाओं को नई दिशा देने का काम किया था, लेकिन आज की सरकार युवाओं के सपनों को कुचलने और उनकी आवाज दबाने में लगी हुई हैं।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने जिस भारत को डिजिटल और मजबूत बनाने का सपना देखा था, आज उसी भारत का युवा नौकरी के लिए दर-दर भटक रहा हैं।

प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर हैं : शाह

मंडलम अध्यक्ष संदीप शाह ने भाजपा सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर हैं, पेपर लीक उद्योग बन चुका हैं और सरकार सिर्फ विज्ञापन और सोशल मीडिया की चमक में सच्चाई छुपाने में लगी हैं। उन्होंने कहा कि आज का युवा 'काकरोच जनता पार्टी' जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी पीड़ा और गुस्सा जाहिर कर रहा हैं, लेकिन सरकार जवाब देने के बजाय अकाउंट बंद कराने और आवाज दबाने की राजनीति कर रही हैं।

युवाओं के साथ हो रहा अन्याय : हरदहा

इसी दौरान पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष हेमंत हरदहा ने भी सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि पिछड़ा वर्ग, गरीब, किसान और बेरोजगार युवाओं के साथ लगातार अन्याय हो रहा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल चुनावी मंचों पर बड़े-बड़े वादे करती हैं, लेकिन जमीन पर हालात बदतर होते जा रहे हैं। कार्यक्रम में मौजूद नेताओं ने एक स्वर में कहा कि देश और प्रदेश का युवा अब चुप बैठने वाला नहीं हैं।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से देव सिंह भारती विधानसभा अध्यक्ष कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग, लियाकत अली प्रदेश सचिव समाज कल्याण प्रकोष्ठ, कारे लाल धुर्वे, सोने लाल, महेंद्र बनवासी, प्रसाद विश्वकर्मा एवं हीरालाल विश्वकर्मा आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रीष्म ऋतु में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच तेज

डिंडोरी, नवभारत 21 मई। ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निरीक्षण और सैंपलिंग अभियान चलाया जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने जबलपुर बस स्टैंड क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों पर संचालित खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सत्यम लस्सी एवं मैंगो जूस सेंटर, आनंद चाट भंडार, न्यू खेतेश्वर स्वीट्स, सवाई भोज आइसक्रीम कुल्फी शेक सेंटर, मां शारदा ट्रेडर्स एवं मारवाड़ी भोजनालय सहित कई प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इस दौरान लस्सी, मैंगो शेक, बादाम शेक, शुगर फ्री कोल्ड ड्रिंक, मिल्क शेक, पनीर एवं चावल के नमूने संग्रहित किए गए। सभी नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दुकानदारों को साफ-सफाई रखने के दिए निर्देश-खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने दुकानदारों को साफ-सफाई बनाए रखने, खाद्य निर्माण में केवल पीने योग्य पानी का उपयोग करने तथा पानी की नियमित जांच कराने के निर्देश दिए। साथ ही फ्रिज, कंटेनर एवं खाद्य भंडारण सामग्री को स्वच्छ रखने के लिए भी कहा गया। मारवाड़ी भोजनालय को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नोटिस जारी कर निर्धारित समय में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

सरकार रोजगार छीनने का काम कर रही : मरावी

समस्या निवारण प्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष ने लगाया भाजपा पर ओछी मानसिकता का आरोप

अमरपुर नवभारत 21 मई। समस्या निवारण प्रकोष्ठ के अमरपुर ब्लॉक अध्यक्ष तोक सिंह मरावी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार युवाओं नौकरी नहीं दे रही हैं, परंतु नौकरी से जरूर निकाल रही हैं।

पूर्व में पंचायत के माध्यमों से प्रेरक शिक्षकों की नियुक्ति हुई थीं, जिनका कार्य निरक्षर लोगों को साक्षर करना था। प्रेरक शिक्षक कड़ी मेहनत कर निरक्षरों को साक्षर बनाया पर अचानक 2018 में उनकी सेवाएं अकारण ही समाप्त कर दी गई।

उनके परिवार में रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया। आज तक उन लाखों बेरोजगारों की सुध किसी ने नहीं ली। इसके बाद 9,300 जन सेवा मित्रों को हटाकर हजारों युवाओं को बेरोजगार कर दिया और अब एक बार फिर 4,850 पेसा मोब्लाइजर्स भाइयों-बहनों को हटाकर आदिवासी क्षेत्रों में काम कर रहे युवाओं का भविष्य भी अंधकार में डाल दिया गया हैं।

क्या परिवारों की पीड़ा दिखाई नहीं देती?

सरकार रोजगार देने के बजाय लगातार रोजगार छीनने का काम कर रही हैं। क्या सत्ता में बैठे लोगों को इन परिवारों की पीड़ा दिखाई नहीं देती? क्या युवाओं के सपनों को कुचलना ही अब सरकार की नीति बन चुकी हैं? इसके साथ ही श्री मरावी ने यह भी कहा कि यह बेहद चिंता का विषय हैं। चुनाव में करोड़ों नौकरी देने की बात होती हैं किन्तु चुनाव जीतने के बाद लगी नौकरी से निकाला जा रहा हैं। यह भारतीय जनता पार्टी के ओछी मानसिकता को दर्शाता हैं।

व्यावसायिक पाठ्यक्रम को लेकर दिया जा रहा मार्गदर्शन

10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को ऑन जॉब का दिया जा रहा प्रशिक्षण

शहपुरा नवभारत 21 मई। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, करौंदी में कक्षा 10वीं और 12वीं के जिन विद्यार्थियों ने व्यावसायिक पाठ्यक्रम लिया था, उन्हें ऑन जॉब का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका शुभारंभ 2 मई को किया गया।

यह कार्यक्रम उमा विद्यालय करौंदी के प्राचार्य शिवचरन सिंह आर्मो एवं व्यावसायिक शिक्षक श्याम साहू और आदित्य झारिया की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर कृषि छात्र-छात्राओं को शासकीय उद्यान संजय निकुंज करौंदी और आईटी के छात्र-छात्राओं को समृद्धि ऑनलाइन में 20 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है।

व्यापार करने के तरीके बताए जा रहे

प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को रोजगार कार्य कैसे किया जाता है सहित अन्य जानकारियां उपलब्ध करवाई गई और उन्हें बताया गया कि रोजगार कैसे प्राप्त कर सकते है। साथ ही व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत स्वयं का व्यापार कर अपने आप को कैसे मजबूत कर सकते हैं, उसके बारे में मार्गदर्शन दिया जा रहा है। छात्र-छात्राएं भी रूचि लेकर ऑन जॉब का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है।

80 घंटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा

चर्चा में व्यावसायिक शिक्षक श्याम साहू और आदित्य झारिया ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करौंदी में व्यावसायिक पाठ्यक्रम जारी है। शासन के निर्देश है कि व्यावसायिक पाठ्यक्रम की पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को 80 घंटे का ऑन जॉव का प्रशिक्षण दिया जाये। इसी निर्देश के परिपालन में ऑन जॉब का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि 12वीं उत्तीर्ण होने के बाद वे किसी भी कंपनी में या स्वयं का व्यवसाय कर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

अवैध शराब के 8 प्रकरण दर्ज

डिंडौरी, नवभारत 21 मई। जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय पर रोक लगाने के उद्देश्य से आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 19 एवं 20 मई को आबकारी विभाग वृत्त बजाग एवं समनापुर द्वारा प्राप्त शिकायतों के आधार पर विभिन्न ग्रामों में दबिश देकर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान ग्राम सुनहादादर, सुनियामार, सुकुलपुरा, पिंडरूखी एवं किवटी से कुल 39 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब एवं 9 पाव विदेशी मदिरा बरामद की गई। बरामद शराब की अनुमानित कीमत 10 हजार 570 रुपये आंकी गई है।आबकारी विभाग द्वारा आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कुल 8 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए है। आबकारी विभाग ने आमजन से अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री की सूचना तत्काल विभाग को देने की अपील की है, ताकि जिले में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

इंदवार टीआई, एसआई और एएसआई पर गिरी गाज

तीनों को किया गया सस्पेंड, संदेही के फरार होने की घटना ने पुलिस विभाग में मचा दी हलचल

चिल्हारी नवभारत 21 मई। जिले के इंदवार थाना परिसर से एक संदेही के फरार होने की घटना ने पुलिस विभाग में हलचल मचा दी है। लूटकांड की जांच के दौरान पूछताछ के लिए थाने लाए गए युवक के पुलिस को चकमा देकर फरार होने के बाद विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है।

मामले को गंभीर मानते हुए पुलिस प्रशासन ने इंदवार थाना प्रभारी विजय पाटले, सब इंस्पेक्टर अमर बहादुर सिंह और एएसआई सूर्य बहादुर सिंह को सस्पेंड कर दिया। एडिशनल एसपी सीताराम सत्य ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस अभिरक्षा में लापरवाही सामने आने पर यह कदम उठाया गया है। साथ ही पूरे मामले की विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

सराफा व्यापारी लूटकांड से जुड़ा है मामला-जानकारी के मुताबिक बीते दिनों पाली थाना क्षेत्र के घुनघुटी अंतर्गत ग्राम चौरी में एक सराफा व्यापारी से लाखों रुपये की लूट हुई थी। घटना के बाद पुलिस ने जांच करते हुए सत्यम बसदेवा निवासी कटनी और नागेश बसदेवा निवासी ग्राम चिमटा को गिरफ्तार किया था।पूछताछ में दोनों आरोपियों ने इंदवार थाना क्षेत्र के ग्राम पलझा में हुई एक अन्य लूट में भी शामिल होने की बात कबूल की। इसके बाद इंदवार पुलिस दोनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही थी।

मौका मिलते ही व्यापारी हो गया था फरार-बताया जा रहा है कि बुधवार को पूछताछ के दौरान मौका मिलते ही व्यापारी बंटी ताम्रकार पुलिस को चकमा देकर थाना परिसर से फरार हो गया। जैसे ही फरारी की सूचना मिली, थाने में अफरा-तफरी मच गई और पुलिस ने तत्काल उसकी तलाश शुरू कर दी।

डुंगरिया-राई सड़क की बदहाली पर भड़का जनाक्रोश

ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

शहपुरा नवभारत 21 मई। मेहंदवानी क्षेत्र में डुंगरिया से राई तक प्रस्तावित डामरीकरण सड़क की जर्जर हालत को लेकर अब लोगों का आक्रोश खुलकर सामने आने लगा है।

जनपद पंचायत क्षेत्र क्रमांक-12 की सदस्य सरोज टेकाम ने कलेक्टर डिंडौरी को स्मरण पत्र सौंपते हुए सड़क निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्रीय जनता के साथ आंदोलन एवं अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की जाएगी। स्मरण पत्र में बताया गया है कि राई से डुंगरिया तक लगभग 14 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत हो चुका है। इस सड़क का टेंडर क्रमांक 420361 वर्ष 2025 में जारी किया गया था, लेकिन एक वर्ष बीतने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया। वर्तमान में सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है और लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उठाई जल्द निर्माण कार्य शुरू करने की मांग

खराब सड़क के कारण स्कूली बच्चों, मरीजों और ग्रामीणों को सबसे अधिक दिक्कत हो रही है। कई स्थानों पर सड़क इतनी खराब हो चुकी है कि वाहनों का निकलना भी मुश्किल हो गया है। जनप्रतिनिधि ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो डिंडौरी-जबलपुर मार्ग पर चक्काजाम किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की होगी।

वामन अवतार और नंदोत्सव का किया वर्णन

श्रीमद्भागवत कथा सुनने उमड़ा जनसैलाब

चिल्हारी नवभारत 21 मई। ग्राम धवैया में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में आज चौथे दिन भागवत प्रसाद राजकुमारी दुबे के निवास पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान उत्सव में बड़ा अखाड़ा मैहर के प्रसिद्ध कथाव्यास शंकर दत्त महाराज द्वारा अपनी अमृत रुपी वाणी से वामन अवतार, श्रीकृष्ण जन्म की कथा एवं नंदोत्सव का वर्णन किया गया। श्रीकृष्ण जन्म की कथा का वर्णन करते हुए श्री शंकर दत्त महाराज ने बताया कि कंस की कारागार में वासुदेव- देवकी के भादो मास की अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। उनका लालन-पालन नंदबाबा के घर में हुआ था। इसलिए नंदगांव में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। श्रीकृष्ण ने अत्याचारी कंस का वध करके पृथ्वी को अत्याचार से मुक्त किया और अपने माता-पिता को कारागार से छुड़वाया।

आज माखन मिश्री का प्रसाद वितरण किया जाएगा-कृष्ण जन्म की खुशी में शुक्रवार को कथा स्थल को विशेष रूप से सजाकर माखन मिश्री का प्रसाद वितरण किया जाएगा तथा भक्तों ने नाच कूदकर नंदोत्सव मनाया। भारी संख्या पर श्रद्धालु जन उपस्थित रहे।